इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS

# पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला

## (31 दिसम्बर, 2018 से 21 जनवरी, 2019)

आयोजक


इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,
क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी
फोन : 0542-2570169, 2570238
email : igncavaranasi@gmail.com
website : www.ignca.gov.in

पार्श्वनाथ विद्यापीठ
आई.टी.आई. मार्ग, करौंदी,
वाराणसी
फोन : 0542-2575890

**इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र**

क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी

एवं

**पार्श्वनाथ विद्यापीठ**

वाराणसी

द्वारा आयोजित

## पाण्डुलिपिविज्ञान कार्यशाला

के उद्घाटन समारोह में आप सादर आमन्त्रित हैं।

**दिनांक : 31-12-2018**

**समय**

अपराह्न 2.30 बजे

**मुख्य अतिथि**

**प्रोफेसर कमलेशदत्त त्रिपाठी**

(कुलाधिपति, महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा)

**अध्यक्ष**

**प्रोफेसर चित्तरञ्जन ज्योतिषी**

(पूर्व कुलपति, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.))

**स्थान**

संगोष्ठी कक्ष, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र,

पार्श्वनाथ विद्यापीठ परिसर, आई.टी.आई. मार्ग, करौंदी, वाराणसी

**Indira Gandhi National Centre for the Arts**

Regional Centre, Varanasi

and

**Parshvanath Vidyapeeth**

Varanasi

solicits your gracious presence in the Inaugural Session of

## Workshop on Manuscriptology

**Date : 31-12-2018**

**Time :**

2.30 AM

**Chief Guest**

**Prof. K.D. Tripathi**

(Chancellor, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishva Vidyalaya, Vardha)

**Chair Person**

**Prof. Chittaranjan Jyotishi**

(Vice-Chancellor, Raja Mansingh Tomar Sangeet Evam Kala Vishvavidyalaya, Gwalior (M.P.))

**Venue**

Seminar Hall, IGNCA

Prashvanath Vidyapeeth Campus, I.T.I. Road, Karaundi, Varanasi

# इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र देश का एक प्रमुख शोध केन्द्र है जिसमें सम्पूर्ण भारत की सभी मौखिक एवं लिखित, शास्त्रीय एवं लोकवार्तागत, दृश्य एवं श्रव्य तथा प्राचीन एवं नवीन कला परम्परा का गहन अध्ययन अभिव्यक्ति तथा अनुभव के समन्वयपूर्वक सम्पन्न होता है। यह केन्द्र संस्कृति मंत्रालय के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। सन् 1987 में अपनी स्थापना के समय से ही इसने एक राष्ट्रीय स्तर के शोध संस्थान तथा मूल संस्था के रूप में काम करते हुए प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस संस्था में बहुभाषिक ग्रन्थागार है, जिसमें लगभग दो लाख किताबें 175 शोधपत्रिकाएँ एवं देश के प्रमुख मनीषियों जैसे प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी, डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, ठाकुर जयदेव सिंह, लान्स डेन, हीरामानिक एवं डॉ. ( श्रीमती ) कपिला वात्स्यायन के व्यक्तिगत ग्रन्थालय के संग्रह भी सुरक्षित हैं। यहाँ के संग्रह में लगभग एक लाख स्लाइड, माइक्रोफिल्म एवं डी.वी.डी. का संकलन भी है। कला के विविध आयामों पर इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र ने आज तक सौ से ऊपर डी.वी.डी. प्रकाशित किया है जो संस्था में प्रदर्शन एवं विक्रय हेतु उपलब्ध है।

इसी शृंखला में पहाड़ी कला, अजन्ता, बृहदीश्वर एवं गीतगोविन्द जैसे विषयों पर अन्तर्क्रियात्मक डी.वी.डी. भी हैं। संस्था के शोध विभाग ने 150 से अधिक पुस्तकों की शृंखला प्रकाशित की है जिसमें कलातत्त्वकोश एवं कलामूलशास्त्र जैसी महत्त्वपूर्ण शृंखलायें तो है ही, साथ ही कला के विविध आयामों के मूल ग्रन्थ भी अन्तर्भुक्त हैं। इनमें मूल शास्त्र ग्रन्थ, उनके अनुवाद एवं विश्लेषणात्मक ग्रन्थ भी हैं। समय-समय पर इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, भारतीय कला एवं संस्कृति के विशिष्ट विषयों पर प्रदर्शनियाँ आयोजित करता रहता है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी प्राचीन भाषाओं एवं लिपियों के संरक्षण एंव सम्वर्द्धन के लिए निरन्तर प्रयासरत है। केन्द्र ने लिपियों पर आधारित अनेकों कार्यशालाओं के माध्यम से नवीन पीढ़ी को विलुप्तप्राय प्राचीन लिपियों जैसे- गौडी, शारदा, नेवारी, ग्रन्थ आदि से परिचित कराने हेतु प्रशिक्षण देने का कार्य किया है। जिसके सत्परिणाम स्वरूप नाट्यशास्त्र नेवारी संस्करण का प्रथम खण्ड प्रकाशित हो चुका है। इसी शृंखला में प्रस्तावित कार्यशाला ओडिआ एवं मलयालम लिपियों के प्रशिक्षण पर आधारित है जो दिनांक 31 दिसम्बर, 2018 से 21 जनवरी 2019 तक प्रस्तावित है। सम्बन्धित विषय में रूचि रखने वाले शोधार्थियों/विद्वानों का एक समूह तैयार करना इस कार्यशाला का उद्देश्य है। इस कार्यशाला में देश के मूर्द्धन्य विद्वानों द्वारा पाण्डुलिपिविज्ञान, सम्पादन के सिद्धान्त एवं प्रविधि आदि विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया जायेगा। ओडिआ लिपि के प्रशिक्षण के लिए प्रो. ब्रजकिशोर स्वाईं, पूर्व आचार्य श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी तथा मलयालम लिपि के प्रशिक्षण हेतु श्री पी.एल. शाजि, पूर्व वरिष्ठ पाण्डुलिपि अधिकारी, ओरियण्टल रिसर्च इन्स्टीच्यूट एवं पाण्डुलिपि संग्रहालय, करियावट्टम परिसर, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम् उपस्थित रहेंगे।

प्रधान केन्द्र : 11, मानसिंह रोड, नई दिल्ली, 110001

क्षेत्रीय केन्द्र : पार्श्वनाथ विद्यापीठ परिसर, आई.टी.आई. रोड, करौंदी, वाराणसी

फोन : 0542-2570169, 2570238

email : igncavaranasi@gmail.com, website : www.ignca.gov.in